ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
पर्यावरण विज्ञान विभाग
डा0 यशवन्त सिंह परमार औद्यानिकी एवम् वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन
भारत मौसम विज्ञान विभाग, भू-विज्ञान मंत्रालय
(भारत सरकार)
मौसम और कृषि दृष्टिकोण

Tel: +91-1792-252706 ; e-mails: baweja_pk@rediffmail.com, skguptampp@rediffmail.com

वर्षः 23 अंकः 16 अवधिः 27-31 मई 2017 दिनांकः 26-05-2017

शिमला, सोलन, सिरमौर व बिलासपुर जिलों के मौसम का पूर्वानुमान

पिछले सप्ताह का मौसमः पिछले सप्ताह सभी जिलों में वर्षा रिकार्ड की गई ।दिन व रात के तापमान सामान्य रिकार्ड किए गए।सबसे कम न्युनतम तापमान 11.0 डि.सै.**(23-05-2017)**शिमला जिले में रिकार्ड किया गया।

आने वाले पांच दिनों के मौसम का पूर्वानुमान

आने वाले पांच दिनों में मौसम के परिवर्तनशील रहने व 30-31 मई को सभी जिलों में वर्षा व कहीं- कहीं ओलावृष्टि होने की सम्भावना है।दिन व रात के तापमान में 1-3 डि.सै. तक बढौतरी व कमी होने की सम्भावना है।हवा उतर-पूर्वी दिशा से 4 से 14 कि.मी.प्रति घण्टा की गती से चलने की सम्भावना है।औसत सापेक्षित आर्द्रता 25-78 प्रतिशत तक रहने की सम्भावना है।

सप्ताहिक कृषि कार्य

सब्जी फसलों सम्बंधित कार्य :

फल छेदक की रोकथाम के लिये इन्डोक्साकार्ब 14.5 ई सी 11 मि.ली. या लैम्डा साइहेलोथ्रिन 5 ई सी क्राटे 18.75 मि.ली.का घोल 15 लीटर पानी में बना कर छिड़काव करें।

माईट की रोकथाम के लिये फेन्जाक्वीन मैजिस्टर 30 मि.ली./15 लीटर पानी का छिड़काव करें।

बागवानी सम्बंधित कार्य :

स्ट्राबेरी में पत्तों के धब्बों की रोकथाम के लिये हैक्साकोनाजोल 100 मि.ली. या कार्बेन्डाजिम 100 ग्राम का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। सेब में स्कैब, कोर रॉट की रोकथाम के लिये हैक्साकोनाजोल 100 मि.ली. या फलुसीलाजोल 50 मि.ली. या कार्बेन्डाजिम 100 ग्राम का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर पंखुड़ीपात से मटर के दाने के आकार से फल अवस्था पर करें।

खुम्ब उल्पादन सम्बंधित कार्यः

कमरे में आर्द्रता भी लगभग 70-80 प्रतिशत होनी चाहिए। अतः फर्श, दीवारों तथा थैलों पर फव्वारे से पानी का छिड़काव करें। पानी का छिड़काव हमेशा ढिंगरी तोड़ने के बाद करें। कमरे की खिड़कियां तथा दरवाजे प्रतिदिन दो घंटे तक खुले रखने चाहिए।

पशु धन सम्बंधित कार्यः

दिन के समय पशुओं को सीधी धूप में न बांधें। पशुओं को चरागाहों में सुबह तथा शाम के समय ही भेजें तथा दिन के समय छायादार जगह में बांध कर रखें। गर्मियों में पशुओं के पीने के पानी की जरूरतों में 50 प्रतिशत वृद्वि दर्ज की जाती है। व्यस्क पशुओं को पीने हेतु 50-60 लीटर स्वस्छ पानी की व्यवस्था करें। पीने का पानी हर 3-4 घंटे में उपलब्ध करवायें। पशुशाला में क्षमता से अधिक पशुओं को न बांधें तथा उचित वेंटीलेशन के उपायों को अपनायें।

नोडल बैज्ञानिक विभागाध्यक्ष

विस्तार शिक्षा निदेशालय